ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८४
दिनांक- मंगलवार, ०२ नवम्बर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.1 एवं 16.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 50 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.3 एवं दोपहर में 31.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(03–07 नवम्बर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 03–07 नवम्बर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अगले दो दिनों में आसमान साफ तथा उसके बाद तीन दिनों तक आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते है तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित की अवधि में रात के तापमान सामान्य से २ डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान के क्रमशः २९–३० एवं १६–१८ डिग्री सेल्सियस बने रहने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 60 से 70 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 7 से 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पूर्वी एवं पश्चिम चम्पारण जिलों में पुरवा हवा चल सकती है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें।
- रबी मक्का की बुआई प्राथमिकता से प्रारंभ करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ७५ किलोग्राम फास्फोरस एवं ५० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६०x२० से०मी० रखें।
- गेहूँ एवं चना की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत के आसपास के मेड़, नालियॉ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें।
- राई, मसुर, सुर्यमुखी, लहसुन, शरदकालीन गन्ना, मटर, राजमा की बुआई प्राथमिकता से करें। सब्जियों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें एवं कीट तथा रोग-व्याधि का नियमित रुप से निरीक्षण करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए रचना, मालवीय मटर-१५, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात,दांतिवाड़ा मटर-१ एवं भी० ऐल०-४२ किस्में अनुसंशित है। बीज दर ७५-८० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०x१० से०मी० रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे।
- आलू की रोपनी के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। अतः किसान भाई खेत की तैयारी एवं रोपाई शुरु करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू- २ तथा राजेन्द्र आलू-३ इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित किस्में है। बीज दर २०-२५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलाँल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोंग्राम फास्फोरस एवं १०० किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। सब्जियों में फल छेदक कीट की निगरानी करें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०/१ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से छिड़काव करे। छिड़काव से पूर्व इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०x२० से०मी० रखें। बीज को २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन २-४-१, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुसंशित है। २०-२५ दिनों के नर्सरी से खरपतवार की निकासी करते रहें।
- लहसुन की बुआई करें। गोदावरी (सेलेक्सन-१), श्वेता (सेलेक्सन-१०), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी-११), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी-४१), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-३१३), जमुना सफेद-२ (जी०-५०), जमुना सफेद-३ (जी०-२८२), जमुना सफेद-४ (जी०-३२३) एवं आर०ए०यू० (जी-५) लहसुन की अनुसंशित किस्में है। बीज दर ३००-५०० किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी १५x१० से०मी० रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 16.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी